नागपुर, रविवार 9 मार्च 2025 तापमान: नागपुर, अधिकतम 34.2°C 13.9°C

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

महिला दिवस पर नारी शक्ति अंतरराष्ट्रीय महिला दिन के उपलक्ष्य में शनिवार को दिघोरी चौक से महिलाओं ने पारंपरिक पोशाख परिधान कर स्कूटर रैली निकाली. सभी महिलाएं इस समय पुणेरी फेटों में दिखाई दी. यह आयोजन किशोरी झलके ने किया था

उद्यमी बनकर दूसरों को रोजगार दें महिलाएं

महिला उद्यमिता मेले में गडकरी ने कहा

नागपुर. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला उद्यमिता मेले में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नारी शक्ति को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के दिन महिलाएं यह संकल्प लें कि वे अपने कौशल का उपयोग कर अपने परिवार के उत्थान के लिए उद्यमी बनकर अपने उद्योग के माध्यम से दूसरों के लिए रोजगार सृजक बनें. इस अवसर पर मंच पर सुप्रसिद्ध गायिका, सामाजिक कार्यकर्ता अमृता फडणवीस, नगर आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त आंचल गोयल, उपायुक्त डा. रंजना लाडे, अश्विनी जिचकर, डॉ. अनुश्री चौधरी उपस्थित थीं.

प्रतिभाशाली महिलाओं को किया सम्मानित

कार्यक्रम में अमृता फडणवीस ने मंच पर उपस्थित प्रतिष्ठित महिलाओं के साथ केक काटकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया. इस अवसर पर नागपुर शहर की प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया.

अपने कौशल का उपयोग करें : अमृता फडणवीस

अमृता फड़नवीस ने कहा कि हर महिला में कई कौशल होते हैं. इस कौशल का उपयोग हमारे दैनिक कार्यों में होता है. इसी कौशल का उपयोग अपने परिवार के उत्थान के लिए करें, इसका उपयोग उद्यमी बनने के लिए करें और अपने उद्योग के माध्यम से दूसरों के लिए रोजगार सृजक बनें. अमृता फडनवीस ने लिज्जत पापड़ की ज्योति नाइक और ब्रिटानिया की विनीता वाली जैसी महिलाओं का उदाहरण दिया, जिन्होंने घर का काम करके अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया. फडणवीस ने नागपुर नगर निगम की महिला उद्यमियों की बैठक की सराहना की. उन्होंने इस समारोह की सराहना करते हुए कहा कि यह महिला सशक्तिकरण का जश्न मनाने का एक अनूठा अवसर है.

महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के माध्यम से गौरवान्वित करें

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अमृता फडनवीस द्वारा महिलाओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया. डॉ सुषमा देशमुख, साची जीवन, जोया सिराज शेख, अरुणा कोहाड़, प्रमिला राउत, निर्मला अंजिकर, सुनीता मेश्राम, शोभाबाई सोनटक्के और सुरभि जायसवाल सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं को लोगों ने मनपा की ओर से मानद दुपट्टा, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया.

'फैशन को क्यों जलाया जाए'

नागपुर महानगरपालिका की महिला उद्यमी बैठक में शनिवार को 'फैशन शो' का आयोजन किया गया. इस फैशन शो में नागपुर नगर निगम की महिला कर्मचारी, एलएडी फैशन डिजाइनिंग कॉलेज की छात्राएं और मेले में महिला स्टॉल धारकों ने भाग लिया. फैशन शो में महिला कर्मचारियों, छात्राओं और स्टॉल धारकों ने विभिन्न पारंपरिक परिधानों में शानदार प्रदर्शन किया.

मैच के रंग में आज रंगेगा शहर

भारत बनाम न्यूजीलैंड को लेकर संतरानगरी में उत्साह

सड़को पर रहेगा सन्नाटा

शहर मुख्य संवाददाता

नागपुर. कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम रविवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फायनल में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ फायनल महामुकाबला खेला जाएगा. टुर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए पहुंची टीम इंडिया खिताब को अपने नाम करने जा रहीं है. वहीं रोहित ब्रिगेड के टीम इंडिया का न्यूजीलैंड का यह मैच दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है. मैच में टॉस दोपहर 2 बजे होगा और मैच की शुरुआत दोपहर 2:30 PM बजे होगी.

देश की सड़कों पर सन्नाटा पसारने वाला भारत बनाम पाकिस्तान का यह थ्रिलर क्रिकेट मैच, कर्फ्यू जैसा माहौल बना देता है. क्रिकेट को धर्म मानने वालों के अलावा जो इस खेल में रुचि नहीं रखता, वह भी इस हाई वोल्टेज मुकाबले के लिए टीवी स्क्रीन के सामने आंखें जमा देते हैं. अजेय रहे टीम इंडिया के लिए भारत के करोड़ों प्रशंसक भी देशप्रेम की भावनाओं से भरकर इस मैच का लुत्फ उठाने के लिए तैयार है.

नागपुर के प्रशंसक अपनी टीम की सपोर्ट में हमेशा खड़े रहते हैं. इस मैच की खास बात यह है की, रविवार को होने जा रहें मैच से सरकारी दफ्तर बंद है. यह एक तरह से मैच के लिए सरकारी छुट्टी सरीखा हो गया है. दोपहर बाद से जब पूरा शहर टीम इंडिया और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर क्रिकेट की जंग देख रहा होगा तो सिटी की सड़कें सूनी होने की पूरी संभावना है.

होटल-रेस्टोरेंट में होगी भीड़

मैच के लिए शहर के होटल और रेस्टोरेंट में खास तैयारियां की गई हैं. कई जगह बड़ी स्क्रीन लगाकर अपने ग्राहकों को पूरा मैच दिखाने की तैयारी है तो कुछ ने अपने होटलों में मैच के लिए लंच से लेकर डिनर तक का पैकेज बना रखा है. मैच से पहले दोपहर 12.30 बजे से म्यूजिकल प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा. वहीं स्थानीय कलाकार परफॉर्म करेंगे. सामाजिक संगठन, राजनीतिक पार्टी, क्रिकेट प्रेमियों द्वारा सिटी के कुछ हिस्सों में बड़ा स्क्रीन भी लगाया जाएगा ताकि उस क्षेत्र के लोग एकजुट होकर भारत का मैच देख सकें. इसके अलावा होटल और रेस्टोरेंट में भी भीड़ बढ़ जाएगी. कुछ क्रिकेट प्रशंसक होटल और रेस्टोरेंट में जायकेदार खाने के साथ भारत-पाकिस्तान मैच का आनंद उठाएंगे.

सट्टेबाजों पर कड़ी नजर

देश ही नहीं, पूरे विश्व के सबसे हाईप्रोफाइल मैच पर दर्शकों के साथ सट्टेबाजों की भी नजर टिकी हुई है. एक ही दिन में पूरे टूर्नामेंट की कमाई देने वाले इस मैच को लेकर सट्टेबाजों की महीनों से तैयारियां शुरू हो जाती है. हालांकि शहर पुलिस ने भी सट्टेबाजों पर पूरी नजर बनाये रखी हैं.

थानों में जब्त गाड़ियों का अंबार!

नागपुर. शहर के पुलिस थानों में जगह की कमी अब बड़ी समस्या बनती जा रही है. इसका सबसे बड़ा कारण है वर्षों से धूल खा रहे जब्त वाहन हैं जिनका कोई मालिक नहीं. सड़क दुर्घटनाओं से लेकर अवैध गतिविधियों में शामिल वाहनों तक सभी पुलिस थानों में जगह घेरे पड़े हैं. इस वजह से पुलिसकर्मियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. नागपुर के विभिन्न पुलिस थानों का हाल इन दिनों कबाड़खाने जैसा हो गया है. सड़क दुर्घटनाओं में शामिल वाहन, अवैध शराब और तस्करी में पकड़ी गई गाड़ियां, चोरी के बरामद वाहन ये सब बरसों से थानों में पड़े धूल खा रहे हैं. इनकी संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, जिससे पुलिस थानों में जगह की भारी कमी हो गई है. गाड़ियां बरसों तक ऐसे ही खड़ी रहने से न सिर्फ थानों की सुंदरता खराब होती है, बल्कि मच्छरों का भी जमावड़ा हो जाता है. इससे पुलिसकर्मियों के मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है.

शिवनगांव के प्रभावितों को लकी ड्रा के माध्यम से प्लाट वितरित

नागपुर. नागपुर एयरपोर्ट विस्तार का काम तेजी से शुरू है. एक तरफ जहां नए रनवे के लिए भूमि का अधिग्रहण का काम लगभग पूरा हो गया है, वहीं दूसरी तरफ परियोजना से प्रभावित लोगों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने का काम भी तेजी से किया जा रहा है. इसी क्रम में शिवनगांव के प्रभावित 185 परिवारों को एमएडीसी द्वारा भूखंड का वितरण किया गया. लकी ड्रा के

माध्यम से इन परिवारों को प्लॉट वितरित किया गया.

राज्य में देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई में सरकार गठन के बाद नागपुर एयरपोर्ट के विस्तार का काम तेजी से शुरू हो गया है. पिछले दिनों मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रस्तावित क्षेत्र में किये निर्माण को हटाया गया. इसी के साथ इस परियोजना से जो लोग प्रभावित हैं उनके पुनर्वसन का काम भी तेजी से करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिया था. महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी ने नागपुर जिलाधिकारी कार्यालय के सहयोग से शिवनगांव के प्रभावित परिवारों और लोगों भूखंडो की का वितरण किया गया. मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, मिहान सेज़ के केंद्रीय सुविधा भवन के सम्मेलन हॉल में भूखंड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया. जिसमें लकी ड्रॉ के माध्यम से 185 परिवारों को भूखंड का वितरण किया गया. एमएडीसी ने चिंचभवन में 66 करोड़ खर्च कर सर्व सुविधायुक्त 1500 पुनर्वसन लेआउट विकसित किया है.

महाबोधि महाविहार मुक्ति के लिए अंतिम सांस तक लड़ाई

भदंत सुरेई ससाई का दृढ़ संकल्प

शहर मुख्य संवाददाता

नागपुर. डॉ. बाबासाहब आंबेडकर स्मारक समिति, दीक्षाभूमि के अध्यक्ष और धम्मसेना नायक भदंत आर्य नागार्जुन सुरेई ससाई ने दृढ़ संकल्प लेते हुए कहा, महाबोधि महाविहार बौद्धों को सौंपने की मांग को लेकर अखिल भारतीय बौद्ध मंच के अध्यक्ष आकाश लामा के नेतृत्व में बौद्ध गया में एक महीने से विरोध प्रदर्शन चल रहा है. यह आंदोलन विभिन्न शहरों, ग्रामीण क्षेत्रों और विदेशों तक पहुंच गया है. महाबोधि महाविहार की मुक्ति की लड़ाई अंतिम सांस तक जारी रहेगा ऐसी बात भदंत ससाई ने कही. इंदौरा के दस पुलिस स्थित नामांतर शहीद स्मारक क्षेत्र में आयोजित एक दिवसीय धरना, विरोध प्रदर्शन आंदोलन के वक्त वे बोल रहे थे.

इस आंदोलन को समर्थन देने के लिए अखिल भारतीय धम्म सेना और इंदौरा बुद्ध विहार की ओर से शहीद स्मारक क्षेत्र में एक दिवसीय आंदोलन का आयोजन किया गया. इस मौके पर भदंत ससाई ने महाबोधि विहार का इतिहास और आंदोलन के बारे में बताया. अनागारिक धम्मपाल ने 1891 में यह आंदोलन प्रारंभ किया. लगभग सौ साल बाद यानी 1991 से यह आंदोलन फिर शुरू हुआ.

आंदोलन 18 चरणों में शुरू हुआ.

कलेक्टर को दिया ज्ञापन

देश में संविधान लागू होने के बाद पुराने कानून और नियम का कोई मतलब नहीं रह जाएगा. इसलिए, ससाई ने मांग की कि 1949 के मंदिर अधिनियम को निरस्त किया जाना चाहिए और महाबोधि महावीर का प्रबंधन बौद्धों को सौंप दिया जाना चाहिए. इस मौके पर उपासकों ने आंदोलन और महाबोधि महाविहार के इतिहास के बारे में बताया. कलेक्टर को मांग पत्र दिया गया. इस अवसर पर भंते नागसेना, भंते धम्मविजय, भंते बुद्धघोष, भंते संघ, भंते नागवेश, भंते नागप्रकाश, भंते धम्मप्रकाश, भिक्खुनी संघप्रिय, तिशिका, बोधिचित्त, सुमेधा, कुंडलिका, सुमेधा, मिथिला, धम्मदीना, अयाजी, बोधिआर्य सहित धम्मसेना के पदाधिकारी, इंदौरा बुद्ध विहार के पदाधिकारी, उपासक, बड़ी संख्या में बौद्ध और आंबेडकरवादी अनुयायी उपस्थित थे.

ससाई ने कहा कि उन्होंने बिहार, पटना, बुद्धगया, दिल्ली आदि जगहों पर कई वर्षों तक आंदोलन किया है. हाल ही में स्वास्थ्य साथ नहीं दे रहा है और दीक्षाभूमि की भी जिम्मेदारी है. ससाई ने इस बात पर भी अफसोस जताया कि बौद्ध गया के आंदोलन में सीधे भाग लेना संभव नहीं है.

उपलब्धि ■ पावरलिफ्टर से बनीं जिला क्रीड़ा अधिकारी ■ संघर्षगाथा बनी मिसाल

दिव्यांग 'लतिका' की ऊंची उड़ान को सलाम

शहर मुख्य संवाददाता

नागपुर. 'लतिका' शब्द का अर्थ होता है 'छोटी बेल', लेकिन आरेंज सिटी की एक लतिका ऐसी है जिसने अपनी सफलता के दम पर अपने नाम का अर्थ बदल दिया. शहर की महिला पावर लिफ्टर लतिका माने (लेकुरवाले) ने दिव्यांग होते हुए भी जिला क्रीड़ा अधिकारी की नौकरी हासिल की. आंतरराष्ट्रीय पदक विजेती लतिका को महाराष्ट्र सरकार ने वर्धा जिले में नियुक्ति प्रदान की है. अपनी जिद के दम पर लतिका ने भारत को दिव्यांग एशिया कप में स्वर्ण पदक दिलाया है. कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिव्यांग पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में पदक जीतकर देश और राज्य का नाम रोशन करने वाली लतिका ने कभी हार नहीं मानी. मध्यम वर्ग आर्थिक परिस्थिति होने के बावजूद लतिका ने खेल और पढ़ाई दोनों जारी रखी. एमए तक शिक्षण प्राप्त कर लतिका ने 2013 में राज्य सरकार द्वारा जारी भर्ती में फार्म भरा. 2015 में क्रीड़ा मंत्री विनोद तावडे ने पदक विजेता दिव्यांग खिलाड़ियों नियुक्ति में सामान्य खिलाड़ी यो जैसे ही मौका देने की पहल कर शासन परिपत्रक

2018 को जिला क्रीड़ा अधिकारी के तौर पर नियुक्ति

आवेदन स्वीकार्य करने को मान्यता प्रदान की. ऐसे में दिव्यांग खिलाड़ियों को सीधे नियुक्ति प्रदान करने के लिए राज्य के मुख्य सचिव दिनेश कुमार जैन की अध्यक्षता में समिति बनाई गई. 3 अगस्त 2018 को स्वयं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने समिति की बैठक की अध्यक्षता की और लतिका को जिला क्रीड़ा अधिकारी के तौर पर नियुक्ति की गई. लतिका माने-लेकुरवाले अंततः 18 अप्रैल, 2019 को वर्धा में शामिल हो गईं. 'पावरलिफ्टिंग' जैसे अपवादों वाले खेलों में लतिका के इस प्रदर्शन के कारण एक मिसाल कायम की. इससे निश्चित रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों में उत्साह बन रहा है.

हम किसी से कम नहीं

लतिका ने कहा कि पहले आमतौर पर दिव्यांग खिलाड़ियों की अधिक पूछपरख नहीं होती है. लेकिन 2014 के बाद राज्य सरकार ने जिस प्रकार हमारे बारे में सोचना शुरू किया है, मैं उसकी आभारी हूं. इससे न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश में भी दिव्यांग खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा है. आज हर ओलंपिक में देश के दिव्यांग खिलाड़ी अप्रत्याशित रूप से सफलता दर्ज कर पदक जीत रहे हैं. इससे साबित होता है कि हम दिव्यांग भी किसी से कम नहीं हैं.

कई बड़े पुरस्कार किए अपने नाम

लतिका को कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है. महाराष्ट्र सरकार ने 2003-04 में उन्हें शिव छत्रपति पुरस्कार प्रदान किया था. इसके अलावा नागपुर जिला सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (2004-05), महाराष्ट्र राज्य पैरा ओलंपिक एसोसिएशन वर्चुअस वुमेन (2005), पारख सोशल वेलफेयर खेल रत्न (2004), विदर्भ स्पोर्ट्स काउंसिल (2005), स्ट्रांग वुमेन ऑफ इंडिया (2006), विदर्भ गौरव (2007), नागपुर नागरिक सत्कार (2007), सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (2008), राज्य युवा खेल पुरस्कार (2009-10), नागपुर जैसे पुरस्कार उन्हें प्राप्त हो चुके हैं. बता दें कि में लतिका माने भंडारा में जिला क्रीड़ा अधिकारी के पद पर कार्यरत वर्तमान है.

एशिया में कमाया नाम

2006 को फेस्पीक गेम्स होने के बाद वह एशियन गेम्स नाम से जाना जाता है. लतिका ने 2006 में मलेशिया के क्वालालंपुर में आयोजित 9वीं फेस्पीक गेम्स में भारत को रजत पदक दिलाया. इसके बाद 2009 में 3री पावरलिफ्टिंग ओपन एशिया चैंपियनशिप, क्वालालंपुर (मलेशिया) में उन्होंने भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में सफलता दर्ज की. 2010 में एशियन गेम्स (चाइना) गुझग्वान में चौथे स्थान पर रहीं. इससे पहले 2007 में ताइवान (चाइनीज ताइपे) में वर्ल्ड आयवॉस गेम्स (आईडब्ल्यूएएस) स्पर्धा में लतिका को चौथा स्थान मिला था और 2009 में बंगलुरू में उन्होंने रजत जीता. उन्हें अर्जुन व द्रोणाचार्य पुरस्कार विजय मुनिश्वर उनके प्रशिक्षक व मार्गदर्शक रहे हैं तथा पति राहुल लेकुरवाले मैदानी खेलों में सहायक रहे हैं. लतिका ने पावरलिफ्टिंग अंतरराष्ट्रीय खेलों में 3 पदक एवं राष्ट्रीय खेलों में 18 पदक तथा मैदानी खेलों (भालाफेक, गोला फेक, थाली फेक) में 48 पदक जीते हैं.

होली आई रे कन्हाई : होली के पावन पर्व पर एकदूसरे को शुभकामनाएं देने शक्कर से बनी गाठी भेंट स्वरूप देने की परंपरा आज भी बरकरार है. वहीं होलिका दहन के लिये गोबर से बने उपले (गोवरी) भी दूकानों में उपलब्ध हो गई है.

निवेश की कमी के कारण वाशिम का भविष्य कठिन

रोजगार के लिए युवाओं का पलायन, स्वास्थ्य के साथ संचार सुविधाओं में तेजी लाना

अकोला. ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक स्थलों की काशी कहे जाने वाले वाशिम जिले को विकास के लिए निवेश की जरूरत है.यद्यपि जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की संख्या में वृद्धि हुई है, परन्तु अपेक्षित निवेश नहीं हुआ है.काम की कमी के कारण युवाओं का बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है.स्वास्थ्य एवं परिवहन सुविधाओं में वृद्धि होने से जिलेवासियों को कुछ राहत मिली है.जिले से पिछड़ेपन का कलंक मिटाने के लिए औद्योगिक विकास में तेजी लाने की जरूरत है. 1 जुलाई 1998 को वाशिम जिले के गठन के बाद से विकास के लिए संघर्ष ढाई दशक से अधिक समय से जारी है.वाशिम को देश के आकांक्षी जिलों में शामिल किया गया.चुनौती स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि और सिंचाई, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने की है.सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के भी सकारात्मक परिणाम सामने आए.हालाँकि, उद्योगों के लिए तस्वीर बहुत

अनुकूल नहीं है. कोई बड़ा उद्योग नहीं है. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की संख्या में वृद्धि हुई.लेकिन जिले को अपेक्षित निवेश प्राप्त नहीं हुआ.व्यवहार्य उद्योगों की कमी के कारण रोजगार की समस्या बनी हुई है.औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों की संख्या बहुत कम है.कुछ अपवादों को छोड़कर, अधिकांश उद्योग तबाह हो गये.पहले, ओटाई, प्रेसिंग और कृषि प्रसंस्करण उद्योग मौजूद थे.वित्तीय संकट के कारण वे बंद हो गये.शिक्षित युवाओं को रोजगार के लिए बड़े शहरों का इंतजार करना पड़ता है. यद्यपि कृषि प्रसंस्करण उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण था, फिर भी इसकी स्थापना की उपेक्षा की गई.वहाँ कोई बड़ा बाज़ार नहीं है. यह मुद्दा मुख्य फसल सोयाबीन, गेहूं, चना, अरहर, उड़द, संतरा, हल्दी और प्याज सहित विभिन्न फसलों की कीमतों को लेकर उठता है.किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है क्योंकि उन्हें अपनी उपज कम कीमत पर बेचनी पड़ती है.विकास के लिए उद्योग और व्यापार विस्तार की आवश्यकता है.

लाभार्थियों को घर का सपना पूरा होने की उम्मीद: लाभार्थी अपने घर के सपने को पूरा करने के लिए उत्सुक हैं और विभिन्न योजनाओं के तहत 63,715 घरों को मंजूरी दी गई है.शिक्षा की गुणवत्ता का प्रश्न अभी भी बना हुआ है.पिछले वर्ष की तुलना में 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई.2024 में 10वीं कक्षा के छात्रों की संख्या 19,765 तक पहुंच जाएगी और 2025 में यह संख्या 20,179 तक पहुंच जाएगी.इसका लक्ष्य विद्यार्थियों की पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर को रोकना है.

वाशिम-बडनेरा रेलवे लाइन ठप

राज्य सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित कर जिले में 386 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएंगी.सड़कें बनाई गईं. 97 किलोमीटर लम्बा समृद्धि राजमार्ग जिले से होकर गुजरता है.वाशिम-बडनेरा रेलवे लाइन का मुद्दा राज्य सरकार के पास लंबित है और दक्षिण मध्य रेलवे लाइन के माध्यम से राजधानी मुंबई को सीधे जोड़ने वाली ट्रेन का इंतजार है.

आंकड़े क्या कहते हैं ?

जिले में उद्योगों की संख्या 14,000 है, जिनमें से 13,743 सूक्ष्म, 237 लघु और 20 मध्यम हैं.प्रशासन ने दावा किया कि इससे 46,210 नौकरियां सृजित हुईं.उद्योगों की संख्या के साथ-साथ बिजली की खपत भी बढ़ी.जिले में बिजली की मांग 2022-23 में 733, 2023-24 में 789 तथा 24 दिसंबर तक 625 मेगावाट थी.यद्यपि सूक्ष्म उद्योगों की संख्या में वृद्धि हुई है, परंतु निवेश में विस्तार नहीं हुआ है.

अमरावती से मुंबई हवाई यात्रा जल्द

क्या पहला विमान महीने भर के भीतर उड़ान भरेगा?

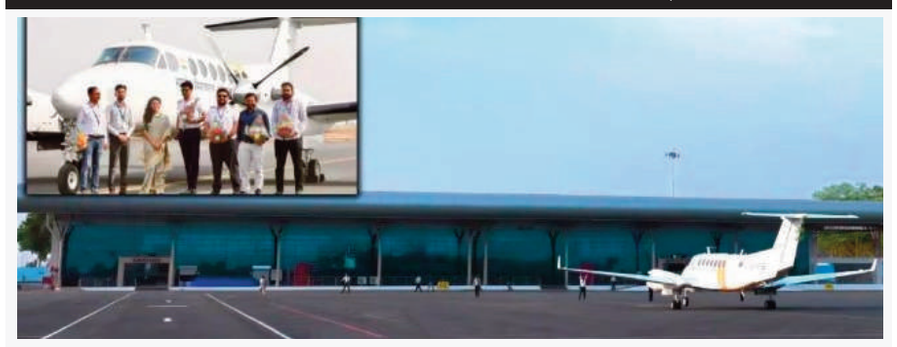

अमरावती. पिछले कई महीनों से चर्चा में रहा अमरावती एयरपोर्ट अब लगभग बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही यानी एक महीने के अंदर इस एयरपोर्ट से पहली फ्लाइट उड़ान भरने की संभावना है.हाल ही में इस हवाई अड्डे पर एयर कैलिब्रेशन ऑफ प्रिसिजन अप्रोच पाथ इंडिकेटर (पीएपीआई) परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया.इससे अमरावती निवासियों के लिए हवाई मार्ग से मुंबई जाने का रास्ता साफ हो गया है.अमरावती हवाई अड्डे से उड़ानें संचालित करने के लिए डीजीसीए से अनुमति मांगी गई है.यह अनुमति मिलने के बाद यहां से नियमित उड़ानें शुरू हो जाएंगी.इस बीच अमरावती हवाई अड्डा खुलने के बाद इस क्षेत्र में उद्योग और रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है.

अमरावती हवाई अड्डा कैसा है? अमरावती हवाई अड्डे को 'बेलोरा हवाई अड्डा' के नाम से भी जाना जाता है.यह हवाई अड्डा अमरावती शहर से लगभग 15 किलोमीटर दक्षिण में बेलोरा में बनाया गया है .इस हवाई अड्डे का विकास महाराष्ट्र हवाई अड्डा विकास कंपनी (एम-एडीसी) के माध्यम से किया गया है.जब यह हवाई अड्डा पूरी तरह से चालू हो जाएगा तो यह नागपुर और गोंदिया के बाद विदर्भ में वाणिज्यिक उपयोग वाला तीसरा हवाई अड्डा होगा .अमरावती हवाई अड्डा 389 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाया गया है.इस हवाई अड्डे का रनवे 1,850 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा है.इस हवाई अड्डे पर टर्मिनस भवन 2,600 वर्ग मीटर भूमि पर बनाया गया है.हवाई अड्डे के लिए टैक्सीवे का आकार 163 गुणा 18 मीटर होगा तथा एप्रन का आकार 100 गुणा 110 मीटर होगा.

यह हवाई अड्डा वास्तव में कब खुल सकता है?: इस बीच, हवाई अड्डे पर परीक्षण लगभग पूरा हो चुका है और उड़ान की अनुमति के लिए डीजीसीए को आवेदन दिया गया है. संभावना है कि डीजीसीए से अनुमति मिलने के बाद अगले कुछ दिनों में संबंधित एयरलाइंस द्वारा इस हवाई अड्डे से सुविधाएं शुरू कर दी जाएंगी.उम्मीद है कि यह काम अगले महीने के भीतर पूरा हो जाएगा. यह हवाई अड्डा अमरावती के आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक विकास को सक्षम करेगा.

हवाई अड्डे की वर्तमान स्थिति क्या है?

एमएडीसी ने हाल ही में बताया है कि अंशांकन परिशुद्धता परीक्षण सफल रहा. इस प्रणाली का उपयोग मुख्य रूप से विमान लैंडिंग के दौरान पायलट को मार्गदर्शन देने के लिए किया जाता है.वर्तमान में हवाई अड्डे पर प्रयुक्त प्रणाली से 72 सीटों वाला विमान इस हवाई अड्डे से उड़ान भर सकेगा.इसके अलावा, हवाई अड्डे पर वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी), टर्मिनल भवन और रनवे का काम भी पूरा हो चुका है.

उपलब्धि प्राप्त महिलाओं का हुआ सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजन

वर्धा. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली आंगनवाड़ी सहायिकाओं, पर्यवेक्षकों और महिलाओं को सम्मानित किया गया. चरखा भवन में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती शीतल भोयर ने किया.

8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला परिषद वर्धा से चरखा भवन तक स्कूटी एवं बाइक रैली का आयोजन किया गया. जिला कलेक्टर वनमती सी. रैली का उद्घाटन सीईओ जितिन रहमान ने हरी झंडी दिखाकर किया. इस रैली में विभिन्न विषयों को झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत

किया गया. रैली में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, पर्यवेक्षक, बाल विकास परियोजना अधिकारी, संरक्षण अधिकारी और जिला बाल संरक्षण प्रकोष्ठों ने भाग लिया. प्रतिभागियों में सखी वन स्टॉप सेंटर, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी, शासकीय महिला अधिकारी-कर्मचारी तथा जिले की महिलाएं शामिल थीं. तत्पश्चात, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली सहायिकाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों और महिलाओं को सम्मानित करने के लिए, सेवाग्राम रोड, वर्धा स्थित चरखा भवन में एक सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

नभंगनी ज्ञान यज्ञ सप्ताह !

ग्रह, तारे, अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र उत्सव

अकोला. गर्मियों के दौरान, समुदाय की भावना को विकसित करने के लिए कथा, पुराण, भजन-कीर्तन प्रवचन आदि जैसे धार्मिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला होती है. यदि आध्यात्म को विज्ञान के साथ जोड़ दिया जाए तो भविष्य उज्जवल हो जाएगा. खगोलविद् प्रभाकर डोड ने बताया कि 9 से 15 मार्च तक अंतरिक्ष में ज्ञान यज्ञ भी हो रहा है. आकाश में वृषभ राशि में रोहिणी के निकट बृहस्पति, मिथुन राशि में चंद्रमा, युति में मंगल, पूर्वी क्षितिज पर सिंह राशि, उत्तर में 7 तारे, मृग तारामंडल और सबसे चमकीला तारा हंटर 9 मार्च की शाम को देखा जा सकेगा. पिछले 9 महीनों से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद सुनीता विलियम्स को दक्षिण से पूर्व की ओर बढ़ते अर्धचंद्र के रूप में शाम 7.12 से 7.17 बजे तक नंगी आंखों से देखा जा सकेगा.

अनुसंधान केंद्र सोमवार सुबह 5.06 से

पुनःकल्पित...

यह आकाश यज्ञ सप्ताह 15 मार्च को समाप्त होगा, जिसमें बुध वक्री होगा और शुक्र सूर्य से मिलने के लिए उत्सुक होगा.रात्रि के आरंभ में पूर्वी क्षितिज पर नया रूप धारण करने वाला कन्या तारामंडल एक बार फिर आकाश में नया चित्र क्षेत्र प्रस्तुत करने के लिए तैयार होगा.प्रभाकर डोड ने लोगों से इस दिव्य उत्सव का आनंद लेने की अपील की है

5.09 बजे तक उत्तर से दक्षिण की ओर आकाश के ऊपरी भाग में दिखाई देगा तथा पुनः शाम 8.01 से 8.05 बजे तक पश्चिम से उत्तरी ध्रुव की ओर दिखाई देगा.उत्तरी ध्रुव तारा और रंगीन अगस्त्य तारा दक्षिणी आकाश में आसानी से देखा जा सकता है.11 तारीख को पश्चिमी आकाश में चमकदार शुक्र और बुध के मिलन को देखना एक अनूठा अनुभव होगा.बुध ग्रह, जो शीघ्र ही दिखाई नहीं देगा, शुक्र के बाईं ओर बहुत निकट होगा. उसी दिन शाम 7:12 बजे से 7:19 बजे तक अंतरिक्ष स्टेशन पश्चिम से उत्तर की ओर दिखाई देगा.12 तारीख की चौथी तारीख को चंद्रमा सिंह राशि और मघा नक्षत्र में रहेगा, जबकि नीचे दो तारे पूर्वाफाल्गुनी और उत्तराफाल्गुनी स्पष्ट रूप से दिखाई देंगे.

जेल में स्वरोजगार की शिक्षा

फास्ट फूड, धूपबत्ती, अगरबत्ती...

बुलढाना. कुछ अपवादों को छोड़कर कोई भी व्यक्ति अपनी मर्जी से अपराधी नहीं बनता.अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण वे गलत रास्ता अपनाते हैं, जेल जाते हैं, रिहा होने के बाद दूसरा अपराध करते हैं और फिर वापस जेल चले जाते हैं.यह दुष्चक्र चलता रहता है.ऐसा इसलिए है क्योंकि वे नहीं जानते कि अपने और अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए उन्हें क्या करना चाहिए.इसे ध्यान में रखते हुए जिला कारागार ने कैदियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने की पहल की है.इसके पीछे उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कैदी स्वतंत्र रूप से जीवन जी सकें और अच्छे नागरिक के रूप में अपना भविष्य बना सकें.जिला कारागार सेवा ने 'कैदियों के लिए रोजगार प्रशिक्षण' की पहल की है. उल्लेखनीय है कि इस उपयोगी एवं सराहनीय पहल को सैकड़ों कैदियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है.बुलढाना जिला जेल के कैदियों को स्वरोजगार की शिक्षा दी जा रही है, जिसका उद्देश्य बुलढाणा जेल से रिहाई के बाद उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना है .इसी के तहत यहां संत ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से धूपबत्ती व अगरबत्ती बनाने का 6 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया.

350 कैदियों को प्रशिक्षण

बुलढाना जिला जेल में 353 विचाराधीन कैदी हैं.इन कैदियों के लिए एक सुनियोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किया गया है.पहले बैच में 32 कैदियों को 'फास्ट फूड' बनाने का प्रशिक्षण दिया गया.विजय धर्माले ने दूसरे बैच को 1 से 6 मार्च तक पटाखे और अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया.प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रशिक्षुओं को संगठन द्वारा प्रमाण पत्र दिए गए.अगले प्रशिक्षण चरण में नर्सिंग कोर्स, टेलरिंग कोर्स, मोटर रिवाइंडिंग जैसे विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं.जेल अधीक्षक संदीप भूटेकर, वरिष्ठ जेल अधिकारी मेघा भाक्कर, जेल अधिकारी एम.एस. पाटिल, सेंट ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक संदीप पोटे, श्रीकृष्ण राजगुरे के साथ ही जेल अधिकारी व कर्मचारियों ने सहयोग किया.यह एक अच्छा संकेत है कि यह अभिनव पहल सफल होगी.

उपलब्धि लगभग 80 गांवों को मिलेगा लाभ

सुनील गफाट का किया बड़ा संघर्ष रंग लाया

वर्धा. मरीजों की बढ़ती संख्या, राजमार्गों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं और समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं न मिलने से होने वाली मौतों की संख्या को देखते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील गफाट द्वारा सरकार से लगातार प्रयास करने के बाद आखिरकार अंजी मोटी में 30 बिस्तरों वाले ग्रामीण अस्पताल को मंजूरी मिल गई है. ग्रामीण अस्पताल से वर्धा, आर्वी, देवली और कारंजा तालुका के लगभग 80 गांवों को लाभ मिलेगा.

वर्धा तहसील में आंजी मोठी गांव वर्धा-आर्वी-कारंजा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है और एक बड़ा गांव है. इस गांव से कई गांव जुड़े हुए हैं. हालाँकि, गाँव में कोई स्वास्थ्य सुविधाएँ नहीं होने के कारण आस-पास के गाँवों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए वर्धा या आर्वी जाना पड़ता था. समय

पर परिवहन की कमी और दो स्थानों के बीच की दूरी के कारण, मरीज अक्सर रास्ते में ही मर जाते थे. पिछले कुछ वर्षों में राजमार्गों पर दुर्घटनाओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है. इन गंभीर मुद्दों को ध्यान में रखते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील गफाट ने आंजी में ग्रामीण अस्पताल बनाने के प्रयास शुरू किए.

26 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत: आंजी में ग्रामीण अस्पताल को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है. अस्पताल के लिए 26 करोड़ 1 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है. अस्पताल में एक भूतल और एक प्रथम तल होगा. भूतल का क्षेत्रफल 2628.75 वर्ग मीटर तथा प्रथम तल का क्षेत्रफल 2218.21 वर्ग मीटर होगा, इस प्रकार कुल क्षेत्रफल 4846.96 वर्ग मीटर होगा. इसमें आंतरिक सड़कें, सीवेज, जलापूर्ति, सीसीटीवी, अग्नि सुरक्षा, लिफ्ट, सुरक्षा दीवार, वातानुकूलन प्रणाली व अन्य सुविधाएं होंगी.

गफाट ने फडणवीस और भाजपा नेताओं को धन्यवाद दिया: सुनील गफाट ने आंजी में ग्रामीण अस्पताल को मंजूरी देने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, तत्कालीन पालकमंत्री सुधीर मुनगंटीवार, वर्तमान पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर, पूर्व सांसद रामदासजी तड़स, पूर्व विधायक अनिल सोले, ए. राजेश बकाणे को धन्यवाद दिया.

8 साल के संघर्ष के बाद मिली सफलता

सुनील गफ्फाट ने पहली बार 2016 में अंजी में एक ग्रामीण अस्पताल की मांग की थी. उन्होंने तत्कालीन विधान परिषद सदस्य अनिल सोले के माध्यम से सरकारी स्तर पर प्रयास शुरू किये. वर्ष 2017 में जिला स्वास्थ्य विभाग ने प्रस्ताव बनाकर स्वास्थ्य विभाग के उपनिदेशक और फिर निदेशक को भेजा था. हालाँकि, प्रस्ताव में त्रुटियों के कारण अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका. इसी बीच तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस जीप चुनाव प्रचार के लिए अंजी आये थे. इस समय, गफाट ने एक ग्रामीण अस्पताल के लिए दबाव डाला था. फडणवीस ने एक साल के भीतर अस्पताल बनाने का वादा किया था.इस वादे को पूरा करते हुए फडणवीस ने 2019 में अस्पताल को मान्यता दे दी. हालांकि, राज्य में सत्ता परिवर्तन के साथ ही ग्रामीण अस्पतालों के निर्माण पर एक बार फिर ग्रहण लग गया. जगह की समस्या और बजट की कमी के कारण अस्पताल का काम आगे नहीं बढ़ सका. राज्य में भाजपा सरकार के दोबारा सत्ता में आने पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील गफाट ने अस्पताल बनाने के प्रयास शुरू कर दिए. राजेश बाकने और पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर के सहयोग से आखिरकार 8 साल बाद अंजी में 30 बिस्तरों वाले अस्पताल को मंजूरी मिल गई.

समृद्धि एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

एसयूवी पलटने से 2 लोगों की मौत, 6 घायल

यवतमाल. महाराष्ट्र के मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर शनिवार को दर्दनाक हादसा हुआ. एसयूवी पलटने और उसे पीछे से एक अन्य वाहन के टक्कर मारने से 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 6 अन्य घायल हो गए. सिंधखेड़ राजा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 9 बजे हुई. वाहन यवतमाल से श्रद्धालुओं को लेकर शिर्डी की ओर जा रहा था. उन्होंने बताया कि वाहन का एक टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलट गया. इसी दौरान पीछे से आ रही एक कार ने भी वाहन को टक्कर मार दी. हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 6 अन्य घायल हो गए. पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान विद्या साबले और मोतीराम बोरकर के रूप में हुई है. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची.

2 लोगों की मौत, 6 अन्य घायल

एक्सप्रेसवे पर थोड़ी देर के लिए यातायात बाधित रहा. ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की मदद से गाड़ियों का परिचालन सामान्य कराया गया. पुलिस ने बताया कि मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है. हादसे में दोनों कारों को नुकसान पहुंचा था. क्षतिग्रस्त कारों को सड़क से हटाकर किनारे किया गया है. एक्सप्रेसवे पर यातायात व्यवस्था बहाल कर दी गई है.

इस तरह घटी दुर्घटना

सिंदखेडराजा के पास मालसावरगांव में मुंबई कॉरिडोर चाइना नंबर 344.7 के पास कूजर का बायां पिछला टायर फटने से कूजर अनियंत्रित हो गया. इससे वाहन तेज गति से पलट गया. ठीक उसी समय पीछे से एक क्रेटा कार (पंजीकरण संख्या MH-29-CB-9630) तेज गति से आ रही थी. कूजर अचानक पलट गई, जिससे चालक हर्षल देवानंद भाग्यवंत (28 वर्ष, निवासी यवतमाल) का नियंत्रण खो गया और पीछे से एक क्रेटा कार ने उसे टक्कर मार दी. इससे कूजर में सवार विद्याबाई साबले, 55 वर्ष और मोतीराम बोरकर, 60 वर्ष (दोनों असेगांव देवी तालुका, बाभुलगांव जिला, यवतमाल) की मौके पर ही मौत हो गई. इसके अलावा, 3 लोग, भावना रमेश राऊत, उम्र 30, प्रतिभा अरुण वाघोड़े, उम्र 45, और मीरा गोटफोड़े, उम्र 65, गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें तुरंत हाईवे 108 एम्बुलेंस डॉक्टर यासीन शाह और वैभव बोराडे के साथ ड्राइवर दिगंबर शिंदे दलवी द्वारा इलाज के लिए जालना ले जाया गया. इसके अलावा कूजर चालक संतोष साखरकर, उम्र 28, कमला जाधव, उम्र 55, सुशीला गोयन, उम्र 52, मीरा राऊत, उम्र 60, छायाबाई चव्हाण, उम्र 65, प्रमिला घाटोल, उम्र 60, भक्ति राऊत, उम्र 5, रमेश राऊत, उम्र 40, बेबीबाई येलो, उम्र 60, मोतीराम बोरकर, उम्र 65 (सभी निवासी असेगांव देवी तहसील, बाभुलगांव, यवतमाल जिला) को मामूली चोटें आईं. सौभाग्य से क्रेटा कार में सवार किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई.

समृद्धि एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. अधिकारी ने बताया कि 3 की हालत गंभीर बनी हुई है. डॉक्टर घायलों की स्थिति पर नजर बनाए हैं. अधिकारी के मुताबिक दुर्घटना की सूचना पाकर यातायात पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीम को मौके पर बुलाया गया. 2 कारों की टक्कर के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बन गई थी.

उपचार के लिए भेजा. 'क्यूआरवी टीम' सिंदखेड राजा के पवन काले, खंडू चव्हाण, अभिषेक कांडेकर और महाराष्ट्र सुरक्षा बल के मच्छिंद्र राठौड़, अविनाश राठौड़, अजय पाटिल ने सभी मृतकों और घायलों को क्रूजर से बाहर निकाला. दुर्घट-नाग्रस्त वाहनों को हाईवे के किनारे करने के बाद यातायात बहाल किया गया.

छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान...

चिमूर में तनाव...भीड़ ने की तोड़फोड़...

चंद्रपुर. चिमूर पुलिस ने छत्रपति संभाजी महाराज के खिलाफ सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम) पर अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है.संभाजी ब्रिगेड के शिव प्रतिष्ठान समूह ने महाराज के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की.उसकी दुकान में तोड़फोड़ की गई.चिमूर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है.इस घटना से चिमूर में मध्य रात्रि से एक बजे के बीच बहुत तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई.पुलिस प्रशासन ने रात में ही दंगा नियंत्रण दल को बुला लिया है और कड़े पुलिस बंदोबस्त कर दिए हैं.बच्चे का तनाव स्तर फिलहाल नियंत्रण में है.अल्ताफ (सोनू) इमदाद शेख (उम्र 21) निवासी गिरफ्तार आरोपी का नाम नेताजी वार्ड है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी अल्ताफ (सोनू) इमदाद शेख ने गुरुवार को सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम) पर छत्रपति संभाजी महाराज के खिलाफ एक पोस्ट डाली थी.दिनभर सोशल मीडिया पर पोस्ट देखने के बाद रात को संभाजी ब्रिगेड संगठन के शिव प्रतिष्ठान के कार्यकर्ता एकत्र हुए.उन्होंने चिमूर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई.उन्होंने इस कृत्य की निंदा की तथा महाराज का अपमान करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.इसके बाद विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया.हजारे पेट्रोल पंप के पास संभाजी चौक पर संभाजी ब्रिगेड संगठन शिव प्रतिष्ठान के कार्यकर्ताओं ने घटना के विरोध में नारे लगाए.इसके बाद वे आरोपी की दुकान की ओर बढ़े.उन्होंने नेहरू स्कूल परिसर में एक दुकान पर हमला किया.दुकान में तोड़फोड़ की गई.दुकान के सामने एक टायर में आग लगा दी गई.पिंजरे में बंद मुर्गियों को बाहर छोड़ दिया गया.पास की एक दुकान में भी तोड़फोड़ की गई.धीरे-धीरे इस घटना की खबर पूरे शहर में फैल गई.वहाँ नागरिकों की भारी भीड़ थी.चिमूर कस्बे में मध्य रात्रि से एक बजे के बीच तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई.पुलिस तैनात की गई.दंगा नियंत्रण दल को बुलाया गया. पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपी अल्ताफ (सोनू) इमदाद शेख के खिलाफ भीड़ का गुस्सा बढ़ता जा रहा था.इसलिए उसे भिसी पुलिस थाने ले जाने का निर्णय लिया गया.आरोपी को तुरंत रात में ही भिसी पुलिस स्टेशन ले जाया गया.लेकिन जैसे ही घटना की जानकारी हर जगह फैली, भिसी पुलिस स्टेशन के सामने नागरिकों की भीड़ जमा हो गई.वहां भी स्थिति बिगड़ने पर आरोपी को उसी रात वापस चिमूर पुलिस थाने लाया गया.पुलिस अधीक्षक मुम्मका सुदर्शन रात में ही घटनास्थल पर पहुंच गए.पुलिस की कड़ी मौजूदगी बढ़ा दी गई और स्थिति को नियंत्रित किया गया.

पुलिस पर अपराधियों का हमला

1 सिपाही की मौत, 1 गंभीर घायल

चंद्रपुर. कहते हैं आम जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस होती है, लेकिन जब पुलिस वालो की जान ही मुश्किल में हो तो उनकी सुरक्षा कौन करेगा.ऐसा ही एक वारदात शुक्रवार रात को शहर से सामने आई है.जहां अपराधियों की एक टोली ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया.जिसमें एक की मौत हो गई है, इस अचानक हमले में पुलिस कांस्टेबल दिलीप चव्हाण (36) की मौत हो गई, जबकि कांस्टेबल समीर चाफले (34) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज अस्पताल में किया जा रहा है. सरेआम पुलिसकर्मी की हत्या से जिले में सनसनी मच गई है.

शहर के विट्ठल मंदिर वार्ड में रहने वाले और पुलिस विभाग में कांस्टेबल दिलीप चव्हाण और समीर चाफले शुक्रवार रात करीब 9 बजे पठानपुरा रोड पर वैभव बनकर के पिंक पैराडाइज बीयर बार में सादे कपड़ों में बैठकर शराब पी रहे थे.उसी समय दाद महल वार्ड के कुछ युवक भी इस बार में शराब पी रहे थे.शुरुआत में पुलिस कांस्टेबल और युवक के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई.इसके बाद मौखिक विवाद मारपीट में बदल गया.एक-दूसरे की पिटाई करने के

बाद युवक और पुलिसकर्मी हांफते हुए बार से बाहर चले गए.

पुलिस कांस्टेबल चाफले का घर बीयर बार के पीछे है.इसलिए, जब कांस्टेबल चफला और चव्हाण पैदल सेना के घर की ओर जा रहे थे, तो युवकों का एक समूह आवाज लगाता हुआ आया और रात का अंधेरा देखकर युवकों ने गली में दोनों पुलिसकर्मियों चव्हाण और चफला पर चाकुओं और छुरियों से हमला कर दिया.युवकों ने चव्हाण के सीने पर चाकू से वार किया, जिससे वह वहीं गिर गया, जबकि चाफले के हाथ और सीने पर चाकू से वार किए जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया.

घटना को देखकर आसपास के लोग दौड़े और दोनों पुलिसकर्मियों को जिला अस्पताल ले जाया गया.वहां डॉक्टरों ने चव्हाण को मृत घोषित कर दिया, जबकि चाफले को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है.उसकी हालत भी गंभीर है.घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक मुमक्का सुदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीना जनबंधु और शहर पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक एकुरे मौके पर पहुंचे.पुलिस ने हत्या के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.पिछले कुछ दिनों में शहर में अपराध बढ़ गए हैं.हत्या और हत्याकांड की दर बढ़ गई है.इसके बाद अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने की मांग की गई.

क्या ढाणकी नगर में नकली सीमेंट बेचा जा रहा है ?

प्रतिनिधि

उमरखेड़ . महाराष्ट्र सरकार ने प्रधानमंत्री घरकुल योजना के माध्यम से अब हर गरीब व्यक्ति को घर देने की मंजूरी दे दी है, इसलिए गांवों में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहा है. इस कार्य के लिए आवश्यक सामग्री हैं बजरी, रेत, ईंटें और सबसे महत्वपूर्ण, सीमेंट.

सीमेंट को बुनियादी ढांचा क्षेत्र का आधार माना जाता है .इसका इस्तेमाल सड़क, पुल, घर, औद्योगिक व व्यावसायिक भवन, बांध जैसे तमाम निर्माण कार्यों में होता है. क्या विक्रेता इसी का फायदा उठाकर ढाणकी जैसे

गांव में नामी कंपनी के नाम से हल्के दर्जे का नकली सीमेंट तो नहीं बेचा जा रहा ?लोगों में यह डर पैदा हो गया है .इसकी सही वजह यह है कि एक राजनीतिक नेता की दुकान गाले का काम पूरा होने के बाद, उस पर स्लैब डालने के लिए इस्तेमाल किया गया सीमेंट कुछ ही दिनों में गिर गया, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ, लेकिन चर्चा है कि सीमेंट दुकानदार ने राजनीतिक नेता को इसकी भरपाई कर दी, ताकि उसकी पोल ना खुले .लेकिन इस घटना ने गरीब वर्ग को भयभीत कर दिया है और उन्हें संदेह हो रहा है कि हम जो सीमेंट निर्माण के लिए ला रहे हैं, वह अच्छी गुणवत्ता का है या नहीं. इस पर वे कहते हैं कि अगर इस नकली सीमेंट से हम जैसे गरीब लोग प्रभावित होंगे तो उन्हें मुआवजा मिलेगा या नहीं? इसलिए संबंधित अधिकारियों से मांग है कि वे सीमेंट विक्रेताओं द्वारा बेचे जाने वाले सीमेंट की गुणवत्ता की जांच करें तथा नकली सीमेंट की बिक्री पर अंकुश लगाएं.

फिर पानी की कमी से जूझ रहे मेलघाट के गाँव

फिर अस्थायी योजनाओं का स्वांग

अमरावती. गर्मी की तपिश बढ़ते ही मेलघाट में पानी की कमी सिर उठाने लगी है. वहीं बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पानी के लिए भटकने लगे हैं. मार्च के अंत तक करीब 200 गांवों को पानी की कमी के भीषण संकट से जूझना पड़ेगा और हर साल की तरह इस भी इसके उपायों की तैयारी चल रही है.

मेलघाट के चिखलदरा और धारणी तहसील में लगभग 350 गाँव ,कई गांव पहाड़ी ढलानों पर हैं. जिले में सर्वाधिक वर्षा चिखलदरा में होती है. अक्सर सूर्य 80 से 90 दिनों तक दिखाई

नहीं देता है. लेकिन इसी तहसील में आदिवासी पाड़ा, टांडा बस्तियों में गर्मियों में पानी की भारी कमी महसूस की जाती है. यहां के आदिवासियों को पानी के लिए अलग-अलग दिशाओं में भटकना पड़ता है. गर्मियों में रात-रात भर जागकर पानी भरने की भयावह स्थिति देखने को मिलती है. हालाँकि, प्रशासन जल्दबाजी में कदम उठाकर समय बर्बाद करता है. अधिकारी अस्थायी कदम उठाते हैं और स्थिति जस की तस बनी रहती है. मेलघाट के खडीमल, माखला, चुनखड़ी, हातरू, नवलगांव, बिच्छूखेड़ा, सोनापुर, सलीता, सुमिता, पाचडोंगरी, मोथा और विदर्भ का स्वर्ग कहे जाने वाले चिखलदरा शहर सहित कई गांवों में साफ पानी की भारी कमी है.

दारव्हा स्थानक की एसटी बस पलटी

12 यात्री हुए घायल

यवतमाल. दारव्हा तहसील में से ब्रम्हनाथ रोड पर दारव्हा स्थानक की एसटी बस पलटने से हादसा हो गया. इस हादसे में 12 यात्री मामूली रूप से घायल हुए हैं और एसटी बस क्षतिग्रस्त हुई. यह एसटी बस यात्रियों को दारव्हा से लेकर जा रही थी. शाम 7:30 बजे अंतरगांव और दोल्हारी देवी के बीच हादसा हो गया. सड़क सही न होने के कारण बस नाले में जा गिरी. हादसे में 12 यात्रियों को मामूली चोटें आईं. हालांकि, हादसे में कोई

जानमाल का नुकसान नहीं हुआ.घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने दारव्हा स्थानक प्रबंधक को सूचना दी. इस दुर्घटना में घायल यात्रियों को प्राथमिक इलाज के लिए दारव्हा उपजिला अस्पताल भेजा गया है.

केंद्रीय मंत्री जाधव की मौजूदगी में कई हुए शिवसेना में शामिल

बुलढाना. जिले के मासरूल में शिवसेना पार्टी प्रवेश समारोह का आयोजन हुआ. इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शिवसेना का भगवा दुपट्टा उनके गले में डाला और उन्हें आधिकारिक तौर पर शिवसेना में शामिल कराया. इसमें कांग्रेस राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारी, पूर्व सरपंच, पूर्व पंचायत समिति सदस्य, पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य इस समय शिवसेना में शामिल हुए.

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि शिवसेना ने हमेशा श्रमिकों को न्याय देने की भूमिका

निभाई है. शिवसेना संगठन ने कई नेताओं को विधायक, सांसद और मंत्री बनाने का काम किया है. शिवसेना एक हिंदुत्ववादी संगठन था तब से हम शिवसेना में काम कर रहे हैं.

'खोक्या' ने कैलास वाघ से की थी मारपीट

सुरेश धस का है करीबी ,दीं कई यातनाएं, पीड़ित की आरोपियों को फांसी देने की मांग

बुलढाना. बीड का सरपंच हत्या मामला पूरे राज्य में सुर्खियां बटोर रहा है. अब विधायक सुरेश धस के करीबी सतीश भोसले उर्फ़ खोक्या का एक शख्स को बैट से बेरहमी से पीटने का वीडियो वायरल हो रहा है. यह घटना डेढ़ साल पहले की है लेकिन अभी तक इसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है. जिस व्यक्ति से मारपीट हुई है वह व्यक्ति बुलढाना के सिंदखेडराजा का रहने वाला है.

वीडियो में मारपीट किए गए व्यक्ति का नाम कैलास वाघ है. वह सिंदखेड़राजा तहसील के महेरखेड गांव का रहने वाला है. कैलास वाघ बीड जिले के एक गांव में पोकलैंड पर ऑपरेटर के तौर पर काम करता था. उस काम के उन्हें पैसे नहीं मिले, इसलिए कैलास वाघ महेरखेड गए. तभी बीड जिले से कुछ सात-आठ लोग कैलास के घर आये और उन्हें किडनैप कर ले गए बीड ले गये और उनकी बेरहमी से पिटाई की. कैलाश को उन्होंने दस दिनों तक यातनाएं दी. सिर के बाल उखाड़ दिये गये, पैर तोड़ दिये गये, गुप्त अंगों में पेट्रोल डाला, कपड़े उतार दिये गये और मिर्ची डाली.इसके बाद कैलास वाघ ने भागकर अपनी जान बचाई.तभी कैलास वाघ ने सिंदखेड़ाराजा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. लेकिन उस वक्त पुलिस ने कोई संज्ञान नहीं लिया. अब कैलाश वह ने मांग की है कि वो विधायक सुरेश धस से मिलना चाहते हैं. कैलास का कहना है कि वह यह सब बताना चाहता है. उन्होंने आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है.

प्राची चटप ने हासिल किया स्वर्ण पदक

एशियाई खेलों की आट्या पाट्या प्रतियोगिता

भंडारा. भंडारा जिले की खमारी बुट्टी निवासी युवा खिलाड़ी प्राची दुर्गा केशव चटप ने भारतीय अत्यापति फेडरेशन ऑफ इंडिया में शामिल हो गया है.भारतीय महिला आट्यापाट्या या फ़िंट का खेल में विश्व कप में चैंपियनशिप में भारत का नाम सुनहरे अक्षरों में अंकित किया है.

ग्रामीण लड़कियों को खेलों में सफल होने के लिए न केवल शारीरिक परिश्रम का सामना करना पड़ता है, बल्कि मानसिक और सामाजिक बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है.प्राची चटप जब छोटी थीं तब उनके पिता की मृत्यु हो गई थी और उनकी मां ने अपनी बेटी को पढ़ाने के लिए घरों में काम किया.लेकिन भले ही स्थिति कठिन हो, दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और दृढ़ता के साथ असंभव दिखने वाले सपने भी सच हो सकते हैं. भंडारा जिले के खमारी बुट्टी के ग्रामीण इलाके से आने वाली, प्राची ने महाराष्ट्र टीम के कप्तान के रूप में

कई पदक जीते हैं. भूटान में 8वीं दक्षिण एशियाई महिला आट्यापाट्या चैम्पियनशिप में भारतीय टीम की कप्तानी की.उनके और टीम के कुशल नेतृत्व ने भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाया है.जिससे भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है.

उनकी सफलता के कारण लड़कियों को न केवल खेल के क्षेत्र में, बल्कि समाज के हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करने की जरूरत है.इसलिए उनके यश ने भंडारा जिले का नाम रोशन किया है."भंडारेची लेक विश्वात एक" ऐसा हैश टैग नागरिकों के मोबाइल फोन पर देखा जा रहा है.

एक्शन कार्रवाई कर 7 ट्रैक्टरों को किया जब्त

मजदूरों के वेश में अधिकारियों का रेती घाट पर छापा

यवतमाल. रेत तस्करों और राजस्व व पुलिस विभाग के 'हित' जगजाहिर हैं. इसलिए रेत तस्करों के खिलाफ कभी सख्त कार्रवाई नहीं की जाती. लेकिन जब कोई दबंग अधिकारी ऐसे निहित स्वार्थों की परवाह किए बिना साहसिक कार्रवाई करता है, तो वह 'हीरो' बन जाता है।.रालेगांव के उप-विभागीय अधिकारी विशाल खत्री वर्तमान में एक तेजतर्रार अधिकारी के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं. अपने ही अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा रेत तस्करों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होते देख एसडीओ खत्री वेश बदलकर मजदूर के वेश में रेत घाट पर पहुंच गए.अपने सिस्टम में किसी को भी सचेत किए

सड़क पर रेत की तस्करी करते एक ट्रैक्टर पाया गया.उसके खिलाफ कार्रवाई करने के बाद वह उसी ट्रैक्टर में सवार होकर मजदूर का वेश धारण कर झुल्लर शिवरा स्थित रेत घाट पर पहुंच गया.वहां हमने ट्रैक्टर में बैठकर पूरी चढ़ाई करते हुए आधा घंटा बिताया.पाया गया कि अवैध रेत खनन चल रहा था.उन्होंने मोबाइल फोन पर एक ड्राइवर को सूचना दी कि एसडीओ उनके यहां छापा मारने वाले हैं. जब सभी लोग भागने लगे तो वहां मौजूद उपमंडल अधिकारियों ने सभी को चेतावनी दी और 7 ट्रैक्टर जब्त कर लिए. इसके बाद उन्होंने स्थानीय पुलिस को फोन कर इस कार्रवाई की जानकारी दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी ट्रैक्टरों को जब्त कर थाने ले आई. बोर्ड अधिकारी दिलिच चिडे और तलाठी गिरीश खडसे को सख्त निर्देश दिए गए कि बिखरे हुए 3 ट्रैक्टरों को इकट्ठा किया जाए. उन्होंने रेत तस्करों से संपर्क किया और 4 घंटे के भीतर बिखरे ट्रैक्टरों को पुलिस स्टेशन में जमा करा दिया. इस मामले में राजस्व विभाग की ओर से दर्ज शिकायत के आधार पर रेत तस्कर ट्रैक्टर मालिक कुणाल ठाकरे, दिनेश काले, ब्रह्मानंद कोर्डे, विनोद देवकर, कुणाल शिंदे, स्वप्निल महल्ले, इमरान खा पठान, स्वप्निल खंडालकर, हेमंत वाभितकर व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

बिना, वह कुछ समय तक घाट के चारों ओर घूमते रहे और सभी अवलोकनों को रिकॉर्ड करते रहे. उन्होंने अपने जोखिम पर कार्रवाई करते हुए 7 ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया जो रेत भरकर घाट से भागने की तैयारी कर रहे थे. यह ऑपरेशन रालेगांव तहसील के वडकी के पास झुल्लार शिवर में वर्धा नदी के किनारे किया गया था .राजस्व और पुलिस विभाग द्वारा रेत घाटों के खिलाफ कार्रवाई की योजना बनाने के बाद, कार्रवाई पूरी होने से पहले ही सूचना रेत तस्करों तक पहुंच जाती है और कार्रवाई विफल हो जाती है. इसलिए अपनी योजना के बारे में किसी को बताए बिना उपविभागीय अधिकारी खत्री स्वयं एक निजी वाहन लेकर मार्ग बदलकर वड़की पहुंच गए. उन्होंने एक तलाठी से कहा कि उन्हें कुछ काम है और वे अपनी बाइक से रेत के टीले पर पहुंच गए. वहां एक पुलिसकर्मी को बुलाया गया और वे तीनों वहां से 3 किलोमीटर पैदल चले.

शिवरा के किसान बोभाटे के सीताफल बाग में लगी आग

रालेगाव. शिवरा के किसान निश्चल बोभाटे की सर्वे नंबर 3/1 मौजा गोपालनगर में 10 एकड़ की सीताफल बाग है.आज दिनांक 8/03/2025 शनिवार को दोपहर के समय बाग में आग लग गई, जिसमें उनकी बाग के लगभग 3000 सीताफल के पेड़ जलकर नष्ट हो गए.साथ ही, उसमें मौजूद पाइप, ड्रिप भी पूरी तरह जल गए.इस घटना से किसान को भारी नुकसान हुआ है.घटना की जानकारी मिलते ही राळेगांव पुलिस स्टेशन के थानेदार मैत्रे साहब, निवासी तहसीलदार नरेंद्रजी हलामे साहब, तलाठी और कृषि सहायक आदि ने घटनास्थल का दौरा किया.

‘जो मान पे अपने मर मिटती, मैं भारत की वो नारी हूं’

उपराजधानी में नारी शक्ति का गौरव

विश्व महिला दिवस पर जगह-जगह कार्यक्रम

शहर मुख्य संवाददाता

नागपुर. विश्व महिला दिवस शनिवार को शहरभर में बड़े उत्साह से मनाया गया. विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, शैक्षिणक संस्थानों के साथ-साथ शासकीय कार्यालयों में भी महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए. महिला दिवस पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं का सत्कार भी किया गया. कामगारों को भी सम्मानित किया गया. समाजसेवी महिलाओं को भी सम्मानित कर उन्हें उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया गया. महिलाओं ने भी महिला दिवस पर नारी शक्ति का प्रदर्शन यह बताया कि 'कोई साधारण स्त्री न समझ, दहकती हुई चिंगारी हूं', जो मान पे अपने मर मिटती, मैं भारत की वो नारी हूं'. महिला दिवस का उत्साह विभिन्न इलाकों में देखने को मिला. स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी महिलाओं के योगदान को याद किया.

महिलाओं की समृद्धि से ही प्रबुद्ध राष्ट्र का निर्माण: जयदीप कवाड़े

‘पीरिपा’ ने किया सशक्त नारीयों का सन्मान

भारत में महिलाओं की दुनिया, जो कभी घर-घर और बच्चों तक सीमित थी, अब सर्वव्यापी होती जा रही है. सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा के माध्यम से भारत जैसे विकासशील देश में महिलाओं की उन्नति की नींव रखी. यही कारण है कि आज महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करना संभव हो पाया है. महिलाओं को समाज में सम्मान-जनक स्थान दिलाने का श्रेय निश्चित रूप से उन्हें जाता है. भारत का संविधान भी देश की प्रगति के लिए सभी क्षेत्रों में महिलाओं के समान योगदान का प्रावधान करता है. आज हम महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों के साथ सफलता के शिखर पर पहुंचते हुए देखते हैं. जब तक महिलाएं सशक्त नहीं होंगी, समाज प्रगति नहीं कर सकेगा. इसलिए, समृद्ध समाज का निर्माण करके ही भारत एक विकसित राष्ट्र बन सकता है. इसलिए, महिलाओं की समृद्धि के माध्यम से ही एक प्रबुद्ध राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है, ऐसा विश्वास पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास महामंडल के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर) जयदीप भाई कवाड़े ने व्यक्त किया. सीताबर्डी, आनंदनगर स्थित पीरिपा के केंद्रीय कार्यालय में विश्व महिला दिवस उत्साह के साथ मनाया गया. उस समय वह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे.

इस अवसर पर पीरिपा की महिला मोर्चा की नेता प्रतिमा जयदीप कवाडे, पूर्व विदर्भ अध्यक्ष सुचि कोटांगले, सुनीता शेंडे, राज्य संगठक कपिल लिंगायत, नागपुर ग्रामीण युवा गठबंधन अध्यक्ष पलाश ठावरे, नागपुर राज्य नेता मुकुंदराव पाटिल, सागर भौर्जर, महेंद्र ठाकुर, दक्षिण पश्चिम अध्यक्ष स्वप्निल महल्ले, पीरिपा प्रणित कुनबी सेना के नेता कौस्तुभ चौधरी, भीमराव कलमकर, पूनम मटके, नीरजा कवाडे, अस्मिता कवाडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं. कार्यक्रम की शुरुआत मौजूद अतिथियों द्वारा जिजाऊ मां साहेब, सावित्रीबाई फुले, माता रमाई, माता भीमाई और अहिल्याबाई होलकर के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई.

महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान किया

पांढुर्णा. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर ग्राम बड़चिचोली में ग्राम पंचायत और ग्रामीण आदिवासी समाज विकास संस्थान द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं का पुष्प वर्षा कर सम्मान किया गया. पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में सरपंच भारती शेंडे,जनपद सदस्य सुमित्रा मौजे ,संस्था निदेशक विजय धवले ,पंचायत सचिव युसूफ शेख ,संस्था के प्रशांत घाटे ,हिमानी रेवतकर ,हितेश बागड़े ,रोशन पोतदार एवं ग्राम की महिलाएं प्रमुखता से उपस्थित थी. कार्यक्रम में भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया. कार्यक्रम में सरपंच श्रीमति शेंडे ने कहा की आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रसर हैं ,महिलाओं के सशक्ति-करण हेतु अनेक योजनाओं का संचालन सरकार द्वारा किया जा रहा हैं. महिलाओं को सकारात्मक विचार से आगे बढ़ना चाहिए. कार्यक्रम में संस्था निदेशक श्री धवले ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु योजनाओं का लाभ लेना चाहिए. महिलाओं को हमेशा अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए. कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्रीमति मौजे ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम में महिलाओं ने गीत गाकर और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया.

महिलाएं बना रही हैं नया इतिहास : कोटेचा

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने किया महिलाओं का सम्मान

नागपुर. महिलाओं को सशक्त बनने की प्रेरणा मिलती है. जहां तक उनकी स्थिति का सवाल है, आज महिलाओं का हर क्षेत्र में परचम लहरा रहा है. 50 फीसदी महिलाओं की स्थिति में सुधार आया है. जो महिलाएं कुछ करना चाह रही हैं, उन्हें निश्चित रूप से सफलता मिल रही है. हालांकि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनका समुचित मार्गदर्शन बेहद जरूरी है. यह उदगार महाराट्र प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अतुल कोटेचा ने मध्य नागपुर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से आयोजित महिला सत्कार में कही. कोटेचा ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, सावित्रीबाई फुले, इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज जैसी महिलाओं के कार्यों से प्रेरणा लेते हुए खुद को आत्मनिर्भर बनाकर महिलाओं को सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए. कार्यक्रम के आयोजक नगर कांग्रेस के महासचिव रिंकू जैन ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए बताया की जीवन में कड़ी मेहनत करनी वाली संघर्षमई महिलाओं को आज सम्मानित किया गया .जिससे नई पीढ़ी को प्रेरणा मिल सके. कार्यक्रम में प्रमुखता से समाजसेवी सतीश पेंढारी, जैन सेवा मंडल के प्रमुख दिलीप गांधी, कल्लू जैन, सुरेश जैन (डायमंड) उपस्थित थे.

‘समता मित्र गौरव पुरस्कार’ का वितरण

समता सैनिक दल रामबाग द्वारा समाज के हर क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं का ‘समता मित्र गौरव पुरस्कार’ देकर सत्कार किया गया. कोई भी सामाजिक धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्य हो, इन कार्यों में अग्रसर भूमिका निभाने वाली समता सैनिक दल रामबाग की टीम ने हरवर्ष की तरह नारी शक्ती का सन्मान कार्यक्रम का आयोजन किया. इसके तहत लौहमार्ग पुलिस कल्याण पेट्रोल पंप वंजारी नगर यहां जाकर पेट्रोल पंप पर दिन रात काफी लगन निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने वाली महिला कर्मचारियों का पुष्प, मिठाई तथा सम्मान चिन्ह देकर उनका अभिनंदन और सम्मान किया गया. इसी तरह महानगरपालिका की महिला कर्मचारियों आइसोलेशन हॉस्पिटल में सन्मान किया गया. इमामवाड़ा रामबाग पुलिस स्टेशन के पुलिस महिला अधिकारी तथा पुलिस सिपाही इनका भी पुष्प, मिठाई तथा सम्मान चिन्ह देकर सत्कार किया गया.

मिहान का विकास करेंगे एमएडीसी और एआईडी

विकास योजनाओं पर समीक्षा बैठक

शहर संवाददाता

नागपुर. मिहान में संचालित उद्योगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए असोसिएशन फॉर इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट (एआईडी) द्वारा आयोजित दूसरी समीक्षा बैठक शनिवार महाराष्ट्र एअरपोर्ट डेव्हलपमेंट कंपनी (एमएडीसी) कार्यालय, मिहान सेझ, नागपुर में आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर एवं एमएडीसी के संयुक्त प्रबंध निदेशक डॉ. विपिन इटनकर ने की. इस अवसर पर एआईडी के अध्यक्ष आशीष काळे, मिहान के अन्य प्रमुख एआईडी सहयोगी और एमएडीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

यह समीक्षा बैठक 18 फरवरी 2025 को नागपुर के कलेक्टर कार्यालय में आयोजित पिछली बैठक में हुई चर्चाओं के अनुसरण में आयोजित की गई थी, जहां एआईडी के माध्यम से कॉर्पोरेट प्रमुखों ने मिहान सेझ में अपने व्यवसाय को प्रभावित करने वाली बुनियादी ढांचागत, परिचालन और प्रशासनिक कठिनाइयों के बारे में चिंता व्यक्त की थी.

इस बैठक में महत्वपूर्ण चर्चा हुई. हालांकि, शटल बस सेवा शुरू करने के संबंध में उद्यमियों द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में जिला कलेक्टर ने मिहान क्षेत्र में चार्जिंग स्टेशन और ई-शौचालय के साथ बस स्टॉप शेड के निर्माण का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) मानसून सीजन शुरू होने से तीन महीने पहले चालू हो जाएगा. मिहान के सेझ और नॉन सेझ दोनों क्षेत्रों में खाद्य गाड़ियों को संचालित करने की अनुमति दी गई. इसके अतिरिक्त, सामान्य कर्मचारियों की सेवा के लिए सीएफसी भवन में सामान्य भोजन सुविधा विकसित की जा रही है. जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यूसीएन सहित भारत के सभी प्रमुख इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को मिहान में सभी उद्योगों को पट्टे पर सेवाएं प्रदान करने की अनुमति दें.

हितधारकों के साथ संरचित संवाद को सुविधाजनक बनाने के लिए औद्योगिक विकास संघ के पदाधि-कारियों और मिहान में उनके उद्योग भागीदारों और एमएडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों का एक टास्क फोर्स गठित किया गया है. इस पहल का उद्देश्य वैश्विक मानचित्र पर मिहान को एक पसंदीदा निवेश केंद्र के रूप में बढ़ावा देना, महाराष्ट्र में एक प्रमुख औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में इसका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना और परिचालन संबंधी चुनौतियों का समाधान करना है.

जिला कलेक्टर और संयुक्त प्रबंध निदेशक, एमएडीसी के नेतृत्व में शुरू किए गए इन उपायों का हितधारकों द्वारा स्वागत किया गया है. आज की चर्चा में कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया है, जबकि लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक निश्चित समय-सारिणी दी गई है. इसके अलावा, डॉ. विपिन इटनकर ने निर्देश दिया कि उद्योग से संबंधित चुनौतियों की निरंतर निगरानी और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए टास्क फोर्स की बैठकें अब पाक्षिक रूप से आयोजित की जाएंगी. कॉर्पोरेट हितधारकों को आगामी मुद्दों पर निरंतर समन्वय और समर्थन के लिए एमएडीसी और एआईडी के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया. एआईडी के सचिव डॉ. विजय कुमार शर्मा, प्रशांत उगेमुगे, विनोद तांबी, अरविंद कुमार, शैलेश आवले, मनीष अग्रवाल, मनोज शिंदे, गुरुदेव सोमानी, अभिषेक गिजरे, डेविड राजू, प्रकाश पाटिल, संजय इंगले सहित कई गणमान्य लोग बैठक के दौरान उपस्थित थे.

'पेट' आवेदन का आखरी दिन कल

नागपुर. नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. प्रवेश के लिए अनिवार्य 'पेट' परीक्षा के आवेदन के संबंध में टाइम टेबल घोषित किया गया लेकिन कुछ छात्र विविध कारणों की वजह से आवेदन की हार्ड कापी जमा नहीं कर सके. विश्वविद्यालय ने छात्रों की समस्या को ध्यान में रखते हुए हार्ड कापी जमा करने की तिथि 10 मार्च तक बढ़ा दी है. इस अवधि तक आवेदन जमा होने के बाद परीक्षा के संबंध में प्रवेश पत्र 15 मार्च को जारी किये जाएगी, जबकि पेट परीक्षा 18 मार्च को ली जाएगी. इस समयावधिक के बाद आवदेन स्वीकार नहीं किए जाएंगे. परीक्षा व मूल्यमापन मंडल के संचालक डॉ. संजय कवीश्वर ने बताया कि परीक्षा की तिथि में कोई बदलाव नहीं किया गया है. जिन छात्रों ने अपने हार्ड कापी जमा नहीं की है, वे निर्धारित समयावधि में जमा करें ताकि परीक्षा से वंचित रहने की नौबत न आये.